# समाजशास्त्र विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (म.प्र)

## कोर्स लर्निंग आउटकम

*स्नातक पाठ्यक्रम (बी.ए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष)*

| क्रमांक | प्रश्नपत्र | कोर्स लर्निंग आउटकम |
|---|---|---|
| | | **बी. ए प्रथम वर्ष** |
| 1. | (मेजर प्रथम प्रश्पत्र) भारतीय समाज और संस्कृति | • इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को भारतीय समाज की मूलभूत संरचना के बारे में एक धारणा मिलेगी, इसके ऐतिहासिक आधार, समाज और संस्थानों की बुनियादी दार्शनिक नींव सम्बन्धी अंतर्दृष्टि मिलेगी\|<br>• इस पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थियों में भारतीय परंपराओं की व्यापक समझ विकसित होगी, जो वर्तमान समय में हमारे समाजीकरण से विलुप्त हो रही है ।<br>• यह पाठ्यक्रम भारतीय समाज के प्रमुख सामाजिक मुद्दों से अवगत कराएगा \|<br>• यह पाठ्यक्रम जनजातीय, ग्रामीण और नगरीय समाज की अवधारणाओं और उनके मध्य अंतरसंबंधों की वेहतर समझ को विकसित करेगा।<br>• इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी भारत के तीन प्रमुख समुदायों जनजातीय, ग्रामीण और नगरीय समुदाय के इतिहास, संरचना और कार्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त करेंगे।<br>• यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य में विभिन्न रोजगार के संसाधनों को चुनने में सहायता करेगा। |
| 2. | द्वितीय प्रश्नपत्र (मेजर द्वितीय/ माइनर /ओपन इलेक्टिव) समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएँ | • इस पाठ्यक्रम में समाजशास्त्र की सभी प्रमुख अवधारणाओं को शामिल किया गया है, जो विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान एवं समाजशास्त्रीय ज्ञान के बीच अंतर करने के लिए गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने में मक्षम बनाता है।<br>• समाज, सामाजिक समूहों, सामाजिक संरचना, सामाजिक संस्था आदि की वैचारिक शिक्षा विद्यार्थियों को उनके दैनिक जीवन में सहायता करेगी।<br>• इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को शासकीय, कार्पोरेट, गैर सरकारी संगठन एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी मिलेगी।<br>• यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति के प्रति जागरुक करने के साथ साथ उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा.<br>• परिवार, विवाह, नातेदारी जैसी भारतीय सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा का अध्ययन छात्रों को कई सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में सक्षम बनाएगी। |

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anup...
Distt. Anuppur (M.P.)

| | | |
|---|---|---|
| | | • सांस्कृतिक बिलम्बना के सिद्धांत का अध्ययन छात्रों को पीढीगत अंतर के संघर्ष को बेहतर ढंग से समझने में सहायक होगा और इस संघर्ष को कम करने में सहायता करेगा।<br>• संस्कृति, समाजीकरण और सभ्यता की शिक्षा छात्रों को समाजीकरण की एजेंसियों से परिचित कराएगी और उनके व्यक्तित्व के विकास में सहायक होगी। |
| | **बी. ए द्वितीय वर्ष** | |
| 3. | **प्रथम प्रश्पत्र (मेजर प्रथम) सामाजिक शोध की मूलभूत अवधारणाएँ** | • यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को शोध अंतर्ज्ञान विकसित करने में सहायता करेगा \| इसके माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक पद्धति की प्रकृति तथा मूल्य तटस्थता को प्राप्त करने की जानकारी प्राप्त होगी \|<br>• यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को यथार्थ के महत्व तथा वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने के तरीकों के वारे में शिक्षा देगा।<br>• यह उनमें पठन, लेखन तथा तर्क करने की दक्षता विकसित करेगा ।<br>• इस प्रश्न-पत्र का अभिकल्पन विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटनाओं के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराएगा। |
| 4. | **द्वितीय प्रश्पत्र (मेजर द्वितीय /माइनर/ ओपन इलेक्टिव) सामाजिक परिवर्तन एवं विकास** | • प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा, विभिन्न कारक, प्रक्रियाओं एवं सिद्धांतों से परिचित करायेगा ।<br>• यह पाठ्यक्रम विकास की अवधारणा एवं इसके परिणामों का भी ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा \|<br>• सरकार की विभिन्न नीतियों, उपक्रम उनका क्रियान्वयन एवं उत्पन्न होने वाली समस्याओं का आलोचनात्मक योगदान विद्यार्थियों को एक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा ।<br>• इस पाठ्यक्रम में निहित ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थी नियोजन एवं विकास सम्बन्धी विभागों में परिवर्तन एवं विकास के माध्यमों के रूप में कार्यशीन गैर सरकारी संगठन में परियोजना एवं नियोजन सम्बन्धी कार्य करने वाले विभिन्न शोध संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सफल होंगे। |
| | **बी. ए तृतीय वर्ष** | |

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anup
Distt. Anuppur (M.P.)

| | | |
|---|---|---|
| 5. | प्रथम प्रश्पत्र<br>समाजशास्त्रीय विचारक | • पाठ्यक्रम समाजशास्त्रीय विचार प्रक्रिया को सीखने, समीक्षात्मक रूप से विश्लेषण और व्याख्या करने के लिए सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।<br>• छात्रों को समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण और सिद्धांतो से भी परिचित कराएगा।<br>• सामाजिक चिंतन के विकास के साथ- साथ सामाजिक चिंतकों की अभिवृतियों की भी जानकारी प्राप्त होगी।<br>• छात्रों को वैज्ञानिक व्याख्या तथा कार्यकरण संबंध विकसित करने में मदद करेगी। |
| 6. | द्वितीय प्रश्पत्र<br>सामाजिक अनुसंधान की विधि | यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को शोध अंतर्ज्ञान विकसित करने में सहायता करेगा \| इसके माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक पद्धति की प्रकृति तथा मूल्य तटस्थता को प्राप्त करने की जानकारी प्राप्त होगी \|<br>• यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को यथार्थ के महत्व तथा वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने के तरीकों के बारे में शिक्षा देगा।<br>• यह उनमें पठन, लेखन तथा तर्क करने की दक्षता विकसित करेगा ।<br>• इस प्रश्न-पत्र का अभिकल्पन विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटनाको के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराएगा । |

## स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

| स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर | | | |
|---|---|---|---|
| क्रमांक | प्रश्नपत्र | प्रश्नपत्र का नाम | कोर्स-लर्निंग आउटकम |
| 1. | प्रथम प्रश्नपत्र | शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्पराएँ | • इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को समाजशास्त्र के उद्भव की ऐतिहासिक एवं सामाजिक- सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे \|<br>• इस प्रश्पत्र के अधययन से शास्त्रीय समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को समझने में सहायता मिलेगी \|<br>• शास्त्रीय विचारकों के योगदानों से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे \| |
| 2. | द्वितीय प्रश्नपत्र | सामाजिक शोध की पद्धतियाँ – II | • 1 . यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को यथार्थ के महत्व तथा वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने के तरीकों के बारे में शिक्षा देगा।<br>• 2. यह उनमें पठन, लेखन तथा तर्क करने की दक्षता विकसित करेगा ।<br>• 3. इस प्रश्न-पत्र का अभिकल्पन विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटना के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराएगा। |
| 3. | | | • यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को ग्रामीण सामाजिक संरचना को समझने में सहायता प्रदान करेगा \| |

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)